Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2023

प्राचीन इतिहास और संस्कृति

(मार्च 2022 – मार्च 2023)

Detailed Explanation

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtiias.com

Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

उत्तर

1.

उत्तर: A

व्याख्या:

- कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये छात्रवृत्ति एवं फैलोशिप की योजना 18-25 वर्ष की आयु के चयनित लाभार्थियों को 2 वर्ष की अवधि के लिये चार समान छह मासिक किस्तों में प्रतिमाह 5000 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान करती है।
- इसके तहत 18-25 वर्ष आयु वर्ग के चयनित लाभार्थियों को 2 वर्ष की अवधि हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। अत: कथन 1 सही है।
  - कनिष्ठ अध्येतावृत्ति 25 से 40 वर्ष आयु वर्ग के चयनित अध्येताओं को 2 वर्ष के लिये प्रदान की जाती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

2.

उत्तर: b

व्याख्या:

- असमिया गमोचा एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ सूती तौलिया है, जो असमिया संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है।
  - यह कपड़े का एक आयताकार टुकड़ा है। यह विभिन्न रंगों एवं डिज़ाइनों से बनता है जिसमें सबसे लोकप्रिय लाल एवं सफेद फुलम वाले तौलिया हैं जिन्हें 'गमोचा डिज़ाइन' के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- असमिया गमोचा ने अपने अद्वितीय डिज़ाइन तथा सांस्कृतिक महत्त्व के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। इसे भौगोलिक संकेत (GI) टैग दिया गया था, जो इसकी उत्पत्ति एवं अनूठी विशेषताओं की पहचान को संदर्भित करता है। अत: कथन 2 सही है।

3.

उत्तर: D

व्याख्या:

- गुड़ी पड़वा और उगादी:
  - ये त्योहार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं।
  - इसमें गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जिसे दक्षिण में बेवु-बेला कहा जाता है, यह जीवन में आने वाले सुख और दुख का प्रतीक होता है।
  - गुड़ी महाराष्ट्र में घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है।
- उगादी पर घरों में दरवाज़ों को आम के पत्तों से सजाया जाता है जिन्हें कन्नड़ में तोरणालु या तोरण कहा जाता है।
  - साजिबू चेराओबा:
  - यह मणिपुर के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है।
  - यह विशेष रूप से राज्य के मेइती लोगों द्वारा बहुत धूमधाम और खुशी के साथ मनाया जाता है।
  - बोहाग बिहू:
  - बोहाग बिहू या रोंगाली बिहू जिसे जात (Xaat) बिहू (सात बिहू) भी कहा जाता है, एक पारंपरिक आदिवासी जातीय त्योहार है जो असम के स्वदेशी जातीय समूहों द्वारा असम और पूर्वोत्तर भारत के अन्य हिस्सों में मनाया जाता है।
  - यह असमिया नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
  - यह आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है एवं ऐतिहासिक रूप से फसल कटाई के समय को दर्शाता है। अत: तीनों युग्म सही सुमेलित हैं।

4.

उत्तर: C

व्याख्या:

बौद्ध धर्म में मुद्राएँ:

- बौद्ध धर्म में मुद्रा हस्त संकेत अथवा अवस्थाएँ हैं जिनका उपयोग ध्यान और अन्य अभ्यासों के दौरान किया जाता है ताकि मन को केंद्रित करने, ऊर्जा को नियंत्रित करने और बुद्ध की शिक्षाओं को प्राप्त करने में मदद मिल सके।
  - अंजलि मुद्रा: यह बौद्ध धर्म में उपयोग की जाने वाली सबसे आम मुद्रा है और इसमें हथेलियों को छाती के सामने एक साथ दबाया जाता है, जिसमें उँगलियाँ ऊपर की ओर संकेत करती हैं।
- यह सम्मान, अभिवादन और कृतज्ञता का प्रतीक है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
  - वितर्क मुद्रा: इस मुद्रा को "शिक्षण मुद्रा" या "चर्चा मुद्रा" के रूप में भी जाना जाता है और इसमें दाहिने हाथ को ऊपर उठाने और अँगूठे एवं तर्जनी के माध्यम से वृत्त बनाना शामिल है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।
- यह ज्ञान के संचरण और बुद्ध की शिक्षाओं के संचार का प्रतीक है।
  - करण मुद्रा: इसमें बायाँ हाथ हृदय तक ऊपर लाया जाता है और हथेली आगे की ओर होती है। तर्जनी तथा छोटी उँगलियाँ सीधी ऊपर की ओर संकेत करती हैं, जबकि अन्य तीन उँगलियाँ हथेली की ओर मुड़ी हुई होती हैं।

- यह मुद्रा अक्सर बुद्ध या बोधिसत्व के चित्रण में देखी जाती है, जिसे सुरक्षा और नकारात्मकता को दूर करने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कहा जाता है कि तर्जनी ज्ञान की ऊर्जा और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
  - तर्जनी मुद्रा: इसमें तर्जनी उँगुली को ऊपर की ओर बढ़ाया जाता है, जबकि अन्य उँगुलियों को हथेली की ओर मोड़ा जाता है। तर्जनी मुद्रा, जिसे "भय के इशारे" के रूप में भी जाना जाता है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।
- इसका उपयोग बुरी ताकतों या हानिकारक प्रभावों के खिलाफ चेतावनी या सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है।

5.

उत्तर. C

व्याख्या:

- बुमचू एक वार्षिक पवित्र जल फूलदान अनुष्ठान है जो ताशीदिंग मठ (Tashiding Monastery) में मनाया जाता है, यह सिक्किम में रंगीत नदी के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित सबसे पवित्र बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। बुमचू का अर्थ तिब्बती में "पवित्र जल का बर्तन" है।
- होजागिरी नृत्य त्रिपुरा के प्रसिद्ध नृत्यों में से एक है, न कि नगालैंड के। यह नृत्य होजागिरी उत्सवों या लक्ष्मी पूजा के अवसर पर किया जाता है।
- लाइ हरोबा, नृत्य का प्रारंभिक रूप है जो मणिपुर में सभी शैलीबद्ध नृत्यों का आधार है। इसका शाब्दिक अर्थ- देवताओं का आनंदोत्सव है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत और नृत्य की परंपरा के रूप में पेश किया जाता है।
- हाल ही में त्रिपुरा के उनाकोटी की रॉक-कट मूर्तियों को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया। यह 7वीं या 9वीं शताब्दी का शैव तीर्थ है। उनाकोटि का अर्थ है एक करोड़ से एक कम और कहा जाता है कि यहाँ पर बड़ी संख्या में चट्टानों को काटकर बनाई गई नक्काशियाँ उपलब्ध हैं।

6.

उत्तर: B

व्याख्या:

- उगादी हिंदू त्योहार है जो भारत में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों में नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार हिंदू चंद्र कैलेंडर के पहले दिन मनाया जाता है। शब्द "उगादि" संस्कृत शब्द "युग" और "आदि" से लिया गया है, जिसका अर्थ क्रमश: "आयु" एवं "शुरुआत" है। अत: कथन 1 सही है।
- गुड़ी पड़वा वसंत-ऋतु का त्योहार है जो महाराष्ट्र में पारंपरिक नववर्ष का प्रतीक है। गुड़ी महाराष्ट्र के लोगों द्वारा घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है। अत: कथन 2 सही है।
- नवरेह कश्मीरी नववर्ष का पहला दिन है, इस दिन को विभिन्न अनुष्ठानों, फूलों से घरों को सजाने, पारंपरिक व्यंजन तैयार करने और देवताओं की प्रार्थना करने के रूप में चिह्नित किया जाता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

7.

उत्तर: A

व्याख्या:

- कीलादी दक्षिण तमिलनाडु के शिवगंगा ज़िले की एक छोटी-सी बस्ती है। यह मंदिरों के शहर मदुरै से लगभग 12 किमी. दक्षिण-पूर्व में वैगई नदी के किनारे स्थित है।
- वर्ष 2015 से यहाँ की गई खुदाई से साबित होता है कि तमिलनाडु में वैगई नदी के तट पर संगम युग में एक शहरी सभ्यता मौजूद थी। अत: विकल्प A सही है और विकल्प C सही नहीं है।
- खोजी गई कीलादी कलाकृतियों ने शिक्षाविदों को वैगई घाटी सभ्यता के हिस्से के रूप में स्थल का वर्णन करने के लिये प्रेरित किया है। निष्कर्षों ने दोनों स्थानों के बीच 1,000 वर्षों के सांस्कृतिक अंतराल को स्वीकार करते हुए सिंधु घाटी सभ्यता के साथ तुलना पर चर्चा को भी पुन: सक्रिय किया है। अत: विकल्प B सही नहीं है।
- तमिलनाडु राज्य पुरातत्त्व विभाग (TNSDA) के अनुसार, कीलादी में ईंट की संरचनाएँ, विलासिता की वस्तुएँ और आंतरिक तथा बाहरी व्यापार के प्रमाण एक शहरी सभ्यता की विशेषताएँ हैं। अत: विकल्प D सही नहीं है।

8.

उत्तर: B

व्याख्या:

- विश्व-भारती विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1921 में रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा का एक केंद्र बनाना था जो पूर्वी और पश्चिमी संस्कृतियों की उत्कृष्टता को एक साथ लाएगा एवं सार्वभौमिकता की भावना को बढ़ावा देगा। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- टैगोर ने इस विश्वविद्यालय को भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने एवं युवाओं को उनके नए विचारों तथा दृष्टिकोणों को नया आयाम देने हेतु एक मंच के रूप में स्थापित किया था।
- विश्वभारती विश्वविद्यालय को यूनेस्को से "विरासत" टैग प्राप्त होने वाला है, जो इसे एक "लिविंग हेरिटेज विश्वविद्यालय" होने का गौरव प्राप्त करने वाला विश्व का पहला विश्वविद्यालय बना देगा। अत: कथन 2 सही है।

9.

उत्तर: A

व्याख्या:

- ऐसी मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर (पुरी, ओडिशा) का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - जगन्नाथपुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को "सफेद पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है। अत: कथन 3 सही है।
  - यह मंदिर अपनी तरह की अनूठी वास्तुकला के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें एक विशाल परिसर की दीवार और कई टावर, हॉल तथा मंदिरों के साथ एक बड़ा परिसर शामिल है।
- जगन्नाथ मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में सूचीबद्ध नहीं है।
  - सूर्य मंदिर, कोणार्क ओडिशा का एकमात्र ऐसा स्थल है जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में सूचीबद्ध है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

10.

उत्तर: D

व्याख्या:

- जैन धर्म 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में तब प्रमुखता से उभरा, जब भगवान महावीर ने धर्म का प्रचार किया।
  - जैन शब्द की उत्पत्ति जिन शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है विजेता। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वे लोग जिन्होंने जीवित रहते हुए सभी ज्ञान (मोक्ष) प्राप्त कर लिया और लोगों को इसका उपदेश दिया करते थे- ऐसे सभी 24 शिक्षकों को तीर्थंकर कहा जाता था।
  - तीर्थंकर एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है 'नदी निर्माता', अर्थात् जो नदी को पार कराने में सक्षम हो, वही सांसारिक जीवन के सतत् प्रवाह से पार कराएगा।
  - प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ और अंतिम (24वें) भगवान महावीर थे।
- जैन धर्म अहिंसा को अत्यधिक महत्त्व देता है।
  - यह 5 महाव्रतों का उपदेश देता है:
- अहिंसा
- सत्य
- अस्तेय या आचार्य (चोरी न करना)
- अपरिग्रह (गैर-आसक्ति/गैर-आधिपत्य)
- ब्रह्मचर्य (शुद्धता)
  - इन 5 शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य (शुद्धता) को महावीर द्वारा जोड़ा गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

11.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में चेरपुलास्सेरी (केरल) में गवर्नमेंट वोकेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल की 700 फीट लंबी दीवार पर आधुनिक भित्ति कला की एक महान कृति 'वॉल ऑफ पीस' का उद्घाटन किया गया।
- भारतीय गुफाओं और महलों की दीवारों पर बने चित्र भित्ति चित्र कहलाते हैं।
- भित्ति चित्रों का सबसे पहला प्रमाण अजंता और एलोरा की गुफाओं, बाघ की गुफाओं एवं सित्तनवासल की गुफाओं पर चित्रित सुंदर भित्ति चित्रों से प्राप्त होता हैं। अत: कथन 1 सही है।
- भित्ति चित्रों के सर्वाधिक प्रमाण प्राचीन लिपियों और साहित्य में मिलते हैं।
  - विनय पिटक के अनुसार - वैशाली की प्रसिद्ध गणिका आम्रपाली ने अपने महल की दीवारों पर उस समय के राजाओं और व्यापारियों को चित्रित करने के लिये चित्रकारों को नियुक्त किया था। अत: कथन 2 सही है।

12.

उत्तर: D

व्याख्या:

- VIRAASAT वस्त्र मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत की 75 हाथ से बुनी साड़ियों के उप्लक्ष्य में एक साड़ी उत्सव है।

साड़ी	राज्य
बनारसी	उत्तर प्रदेश
पैठनी	महाराष्ट्र
कांजीवरम	तमिलनाडु
कसवु	केरल
जामदानी	पश्चिम बंगाल
बंधनी	गुजरात
मुगा	असम
फुलकारी	पंजाब
कलमकारी	राजस्थान

- कसवु केरल से, मुगा असम से और कलमकारी राजस्थान से संबंधित है। अत: कोई भी युग्म सही सुमेलित नहीं है, अत: विकल्प D सही है।

13.

उत्तर: C

व्याख्या:

- जल्लीकट्टू एक पारंपरिक खेल है जो भारतीय राज्य तमिलनाडु में लोकप्रिय है।
- इस खेल में लोगों की भीड़ में एक साँड को छोड़ दिया जाता है तथा प्रतिभागी साँड के कूबड़ को पकड़ने और यथासंभव लंबे समय तक सवारी करने या उसे नियंत्रण में लाने का प्रयास करते हैं।
- यह जनवरी के महीने में तमिल फसल उत्सव पोंगल के दौरान मनाया जाता है।

अत: विकल्प C सही है।

14.

उत्तर: D

व्याख्या:

- श्री सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम ज़िले के भद्राचलम शहर में स्थित श्री राम को समर्पित एक हिंदू मंदिर है। यह गोदावरी नदी के तट पर स्थित दिव्य क्षेत्रों में से एक है और इसे दक्षिण अयोध्या के नाम से जाना जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- रामप्पा मंदिर, जिसे अक्सर रुद्रेश्वर मंदिर कहा जाता है, भारत के तेलंगाना में काकतीय शैली में निर्मित एक हिंदू मंदिर है और यह देवता शिव को समर्पित है। यह यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

15.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत वर्तमान में विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (2021) में 54वें स्थान पर है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद 2019 की रिपोर्ट ने विश्व सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) में योगदान के मामले में भारत के पर्यटन को 10वें स्थान पर रखा है।
- वर्ष 2021 तक भारत में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित) में सूचीबद्ध 40 स्थल हैं।
- धौलावीरा और रामप्पा मंदिर नवीनतम हैं। अत: कथन 2 सही है।

16.

उत्तर D

व्याख्या:

- गुरु गोबिंद सिंह दस सिख गुरुओं में से अंतिम थे।
- गुरु गोबिंद सिंह अपने पिता 'गुरु तेग बहादुर' यानी नौवें सिख गुरु की मृत्यु के बाद 9 वर्ष की आयु में 10वें सिख गुरु बने। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 1708 में उनकी हत्या कर दी गई थी।
- धार्मिक:
- उन्हें सिख धर्म में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये जाना जाता है, जिसमें बालों को ढँकने के लिये पगड़ी भी शामिल है।
- उन्होंने खालसा या पाँच 'क' के सिद्धांत की भी स्थापना की। अत: कथन 2 सही है।
- पाँच 'क' केश (बिना कटे बाल), कंघा (लकड़ी की कंघी), कड़ा (लोहे या स्टील का ब्रेसलेट), कृपाण (डैगर) और कचेरा (छोटी जाँघिया) हैं।
- ये आस्था के पाँच प्रतीक हैं जिन्हें एक खालसा को हमेशा धारण करना चाहिये।
- उन्होंने खालसा योद्धाओं के पालन करने हेतु कई अन्य नियम भी निर्धारित किये, जैसे- तंबाकू, शराब, हलाल मांस से परहेज आदि। खालसा योद्धा निर्दोष लोगों को उत्पीड़न से बचाने के लिये भी कर्तव्यनिष्ठ थे।
- उन्होंने अपने बाद गुरु ग्रंथ साहिब (खालसा और सिखों की धार्मिक पुस्तक) को दोनों समुदायों का अगला गुरु घोषित किया। अत: कथन 3 सही है।

17.

उत्तर B

व्याख्या:

- बेनिन ब्रॉन्ज़ वर्तमान नाइजीरिया में बेनिन के प्राचीन साम्राज्य की 3,000 से अधिक मूर्तियों और कलाकृतियों का एक समूह है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह लगभग 16वीं शताब्दी का है।
- बेनिन साम्राज्य को एदो साम्राज्य के नाम से भी जाना जाता है। बेनिन साम्राज्य पश्चिमी अफ्रीका में 1200 से 1800 CE तक फला-फूला जो अब नाइजीरिया है। अत: कथन 2 सही है।
- ये कलाकृतियाँ बेनिन साम्राज्य की संस्कृति के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के साथ इसके संबंधों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ कलाकृतियाँ यूरोपीय लोगों के साथ राज्य के संबंधों की भी प्रदर्शित करती हैं।

18.

उत्तर C

व्याख्या:

- यह वर्तमान में मौजूदा बौद्ध धर्म की सबसे प्राचीन शाखा है। अत: कथन 1 सही है।
- यह बुद्ध की मूल शिक्षाओं के सबसे करीब है।
- थेरवाद बौद्ध धर्म श्रीलंका में विकसित हुआ और बाद में दक्षिण-पूर्व एशिया के बाकी हिस्सों में इसका प्रसार हुआ। अत: कथन 2 सही है।
- यह कंबोडिया, लाओस, म्याँमार, श्रीलंका और थाईलैंड का प्रमुख धर्म है।

19.

उत्तर D

व्याख्या:

डोकरा धातु शिल्प:

- वर्ष 2018 में पश्चिम बंगाल के डोकरा शिल्प को भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication- GI) टैग के साथ प्रस्तुत किया गया था। पश्चिम बंगाल का लालबाज़ार न केवल एक कला केंद्र है, बल्कि एक लोकप्रिय धातु शिल्प, डोकरा का केंद्र भी बन रहा है। अत: विकल्प D सही है।
- डोकरा झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों में रहने वाले ओझा धातुकर्मियों द्वारा प्रचलित बेल धातु शिल्प का एक रूप है।
- हालाँकि इस कारीगर समुदाय की शैली और कारीगरी भी अलग-अलग राज्यों में भिन्न है।
- ढोकरा या डोकरा को बेल मेटल क्राफ्ट के रूप में भी जाना जाता है।
- ढोकरा नाम ढोकरा डामर जनजातियों से लिया गया है, जो पश्चिम बंगाल के पारंपरिक धातुकर्मी हैं।
- लॉस्ट वैक्स कास्टिंग की उनकी तकनीक का नाम उनकी जनजाति के नाम पर ढोकरा धातु की ढलाई रखा गया है।
- डोकरा कलाकृतियाँ पीतल की हैं और इस मायने में अनूठी हैं कि इन टुकड़ों में कोई जोड़ नहीं होता है। यह तकनीक लॉस्ट वैक्स कास्टिंग और धातुशोधन का संयोजन है, जिसमें साँचे का उपयोग केवल एक बार किया जाता है और निर्माण के बाद तोड़ दिया जाता है, जिससे यह कला दुनिया में अपनी तरह की एकमात्र कला बन जाती है।
- यह जनजाति झारखंड से लेकर ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान और केरल तक फैली हुई है।
- प्रत्येक मूर्ति को बनाने में लगभग एक माह का समय लगता है।
- मोहनजोदड़ो (हड़प्पा सभ्यता) की नृत्यांगना सबसे पुरानी ढोकरा कलाकृतियों में से एक है जिसे अब जाना जाता है।
- डोकरा कला का उपयोग अभी भी कलाकृतियों, सामान, बर्तनों और आभूषणों को बनाने के लिये किया जाता है।

20.

उत्तर C

व्याख्या:

- विश्व विरासत स्थल यूनेस्को की विश्व विरासत सूची (World Heritage List) में शामिल विभिन्न क्षेत्रों या वस्तुओं को संदर्भित करता है। अत: कथन 1 सही है।

- यह सूची यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई 'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।
- विश्व विरासत केंद्र वर्ष 1972 में हुए कन्वेंशन का सचिवालय है।
- यह पूरे विश्व में उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्यों के प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण को बढ़ावा देता है।
- इसमें तीन प्रकार के स्थल शामिल हैं: सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित।
- सांस्कृतिक विरासत (Cultural Heritage) स्थलों में ऐतिहासिक इमारत, शहर स्थल, महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल, स्मारकीय मूर्तिकला और पेंटिंग कार्य शामिल किये जाते हैं।
- प्राकृतिक विरासत (Natural Heritage) में उत्कृष्ट पारिस्थितिक और विकासवादी प्रक्रियाएँ, अद्वितीय प्राकृतिक घटनाएँ, दुर्लभ या लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास स्थल आदि शामिल किये जाते हैं।
- मिश्रित विरासत (Mixed Heritage) स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- भारत में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 40 विरासत धरोहर स्थल (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित) हैं। इनमें शामिल धौलावीरा का हड़प्पा शहर और काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर सबसे नए हैं।
- हाल ही में गुजरात के वड़नगर शहर, मोढेरा में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर और त्रिपुरा में उनाकोटि की चट्टानों को काट कर बनाई गई मूर्तियों के रूप में इन तीन स्थलों को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization-UNESCO) की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अत: कथन 3 सही है।

21.

उत्तर: A

व्याख्या:

- मोढेरा का सूर्य मंदिर मेहसाणा ज़िले के बेचराजी तालुका में रूपन नदी की एक सहायक नदी पुष्पावती के बाएँ किनारे पर स्थित है।
- मंदिर के विवरण के अनुसार, यह मारू-गुर्जर स्थापत्य शैली में निर्मित है, जिसमें मुख्य मंदिर (गर्भगृह), एक कक्ष (गढ़मंडप), एक बाहरी कक्ष अथवा सभाकक्ष (सभामंडप या रंगमंडप) और एक पवित्र जलाशय (सूर्य कुंड) जिसे अब रामकुंड कहा जाता है, शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- प्रतिवर्ष विषुव (Equinoxes) के समय सूर्य की किरणें सीधे इस मंदिर के केंद्र/गर्भभाग पर पड़ती हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

22.

उत्तर: D

व्याख्या:

- भारत में बौद्ध धर्म की शुरुआत 2,600 वर्ष पहले हुई थी। यह धर्म इसके संस्थापक सिद्धार्थ गौतम की शिक्षाओं और जीवन के अनुभवों पर आधारित है।
- बौद्ध धर्म से संबंधित यूनेस्को के विरासत स्थल:
  - महाविहार का पुरातत्त्व स्थल नालंदा, बिहार
  - बौद्ध स्तूप साँची, मध्य प्रदेश
  - महाबोधि मंदिर परिसर बोध गया, बिहार
  - अजंता की गुफाएँ औरंगाबाद, महाराष्ट्र।
- लद्दाख के बौद्ध मठ को वर्ष 2012 में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था।

23.

उत्तर B

व्याख्या:

- ट्रामजात्रा (ट्राम की यात्रा) एक चलता-फिरता ट्राम कार्निवाल है जिसे वर्ष 1996 में मेलबर्न और कोलकाता के उत्साही लोगों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया था।
- वर्तमान समय में कोलकाता एकमात्र भारतीय शहर है जहाँ ट्राम अभी भी चलती है, कोलकाता में इसके लगभग दो दर्जन से अधिक मार्ग थे।
  - वर्तमान में चलित मार्गों की संख्या घटकर केवल 2 रह गई है।
- वर्ष 2023 का आयोजन ट्राम को चालू रखने के लिये पश्चिम बंगाल सरकार को राजी करने के संदर्भ में होगा। अत: विकल्प B सही है।

24.

उत्तर: B

व्याख्या:

- संगीत नाटक अकादमी संगीत, नृत्य और नाटक के लिये भारत की राष्ट्रीय अकादमी है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है और अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिये सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित है। अत: कथन 2 सही है।
- यह अकादमी प्रदर्शन कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों और परियोजनाओं की स्थापना करती है। कुछ महत्त्वपूर्ण संस्थान हैं:

- राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली 1959 में।
- जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल- 1954 में।
- कथक केंद्र (राष्ट्रीय कथक नृत्य संस्थान), नई दिल्ली- 1964 में।
- कुटियट्टम (केरल का संस्कृत थिएटर), पूर्वी भारत के छऊ नृत्य, असम की सत्रिया परंपरा आदि के समर्थन की राष्ट्रीय परियोजनाएँ। अत: कथन 3 सही है।

25.

उत्तर - A

व्याख्या:

बौद्ध धर्म:

- भारत में 2,600 साल पहले शुरू हुआ बौद्ध धर्म अपने संस्थापक सिद्धार्थ गौतम की शिक्षाओं, जीवन के अनुभवों पर आधारित एक धर्म है।
  - बौद्ध धर्म का सार आत्मज्ञान या निर्वाण की प्राप्ति है जो एक स्थान नहीं था बल्कि एक अनुभव था जिसे इस जीवन में प्राप्त किया जा सकता था।
- कुछ प्रसिद्ध बौद्ध ग्रंथ हैं:
  - विनयपिटक (मठवासी जीवन पर लागू होने वाले नियम)
  - सुत्त पिटक (बुद्ध का मुख्य शिक्षण या धम्म)
  - अभिधम्म पिटक (एक दार्शनिक विश्लेषण और शिक्षण का व्यवस्थितकरण)।
- अत: विकल्प A सही है।

26.

उत्तर: C

व्याख्या:

गुरु तेग बहादुर:

- मुगलों द्वारा किये जाने वाले जबरन धर्मांतरण के खिलाफ खड़े होने वाले गुरु तेग बहादुर (सिखों के नौवें गुरु) की पुण्य तिथि को प्रतिवर्ष 24 नवंबर को शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। अत: कथन 1 सही है
- गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे, जिन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (श्रीष्ट-दी-चादर) के रूप में पूजा जाता था।
- उन्हें एक महान शिक्षक के रूप में जाना जाता है, गुरु तेग बहादुर उत्कृष्ट योद्धा, विचारक और कवि भी थे, जिन्होंने आध्यात्मिक बातों के अलावा ईश्वर, मन, शरीर और शारीरिक जुड़ाव के स्वरूप का विस्तृत वर्णन किया।
- उनकी रचना को 116 काव्य भजनों के रूप में पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है।
- ऐसे ही एक मिशन के दौरान उन्होंने पंजाब में चक-ननकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 1675 में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर की हत्या दिल्ली में कर दी गई थी।

27.

उत्तर : B

व्याख्या:

- काशी तमिल संगमम् भारत के उत्तर और दक्षिण के बीच ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत संबंधों के कई पहलुओं का जश्न है।
- यह कार्यक्रम "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के भाग के रूप में और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बनाए रखने के लिये भारत सरकार द्वारा की गई एक पहल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह शिक्षा मंत्रालय द्वारा अन्य मंत्रालयों जैसे संस्कृति, कपड़ा, रेलवे, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना और प्रसारण आदि तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
- यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुरूप है, जो समकालीन ज्ञान प्रणालियों के साथ भारतीय ज्ञान प्रणालियों की समृद्धि के सामंजस्य पर जोर देती है।
- IIT मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) इस कार्यक्रम के लिये कार्यान्वयन एजेंसियाँ हैं। अत: कथन 2 सही है।

28.

उत्तर: A

व्याख्या:

- चिश्ती:
- चिश्तिया सिलसिला की स्थापना भारत में ख्वाज़ा मोइन-उद्दीन चिश्ती ने की थी।
- इसने ईश्वर के साथ एकात्मकता (वहदत अल-वुजुद) के सिद्धांत पर ज़ोर दिया और इस सिलसिले के सदस्य शांतिप्रिय थे। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने सभी भौतिक वस्तुओं को भगवान के चिंतन से विकर्षण के रूप में अस्वीकार कर दिया।
- चिश्ती सिलसिले के विपरीत सुहरावर्दी सिलसिले को मानने वालों ने सुल्तानों/राज्य के संरक्षण/अनुदान को स्वीकार किया। अत: कथन 2 सही नहीं है।

29.

उत्तर- C

व्याख्या:

- ''स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी' (समृद्धि की प्रतिमा) एक नादप्रभु

केम्पेगौड़ा की प्रतिमा है। जो 16 वीं शताब्दी के विजयनगर साम्राज्य के अधीन सामंत थे। अत: कथन 1 सही है।

- 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' के अनुसार यह किसी शहर के संस्थापक की पहली और सबसे ऊँची कांस्य प्रतिमा है।
- प्रसिद्ध मूर्तिकार और पद्म भूषण से सम्मानित राम वनजी सुतार ने प्रतिमा को डिज़ाइन किया है। अत: कथन 2 सही है।
- सुतार ने गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और बेंगलुरु के 'विधान सौध' में महात्मा गांधी की प्रतिमा का निर्माण किया था।

30.

उत्तर: B

व्याख्या:

- पश्मीना को दुनिया का सबसे अच्छा हस्तशिल्प माना जाता है, जो असाधारण रूप से गर्म और नाजुक कश्मीरी धागे से बना होता है।
- पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों (Capra hircus) से प्राप्त किया जाता है। लुप्तप्राय तिब्बती मृगों से सहतूश प्राप्त किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- कच्चे पश्म को लद्दाख के चांगपा जनजाति द्वारा पाली जाने वाली चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है।अत: कथन 2 सही है।

31.

उत्तर: C

व्याख्या:

- विश्व धरोहर/विरासत स्थल का आशय एक ऐसे स्थान से है, जिसे यूनेस्को द्वारा उसके विशिष्ट सांस्कृतिक अथवा भौतिक महत्त्व के कारण सूचीबद्ध किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- विश्व धरोहर स्थलों की सूची को 'विश्व धरोहर कार्यक्रम' द्वारा तैयार किया जाता है, यूनेस्को की 'विश्व धरोहर समिति' द्वारा इस कार्यक्रम को प्रशासित किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- वर्ष 2021 में, यूनाइटेड किंगडम के 'लिवरपूल - मैरीटाइम मर्केंटाइल सिटी' को "संपत्ति के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य को व्यक्त करने वाली विशेषताओं के भारी नुकसान" के कारण विश्व विरासत सूची से हटा दिया गया था।अत: कथन 3 सही है।
  - भारत में कुल 3691 स्मारक और स्थल हैं। इनमें से 40 यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित हैं।
  - इसमें ताजमहल, अजंता और एलोरा की गुफाएँ शामिल हैं। विश्व धरोहर स्थलों में असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्राकृतिक स्थल भी शामिल हैं।
- गुजरात में हड़प्पा शहर धोलावीरा, भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में है।
- रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) भारत का 39वाँ विश्व धरोहर स्थल था।
- कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान, सिक्किम को भारत का पहला और एकमात्र "मिश्रित विश्व विरासत स्थल" के रूप में चिह्नित किया गया है। अत: कथन 4 सही है।

32.

उत्तर: D

व्याख्या:

- राइज़िंग सन वाटर फेस्ट-2022 का उद्घाटन समारोह का आयोजन मेघालय के उमियम झील (मानव निर्मित जलाशय) के प्राचीन एवं मनोरम परिवेश में किया गया।
- गारो आदिवासी समुदाय के सदस्य 'दि राइज़िंग सन वाटर फेस्ट-2022' के अवसर पर वांगला नृत्य करते हैं।
  - अत: कथन 2 सही है।
- वांगला को फेस्टिवल ऑफ हंड्रेड ड्रम्स के रूप में भी जाना जाता है और इसे ड्रमों पर बजाए जाने वाले लोकगीतों और भैंस के सींगों से बनी आदिम बाँसुरी की धुन पर विभिन्न प्रकार के नृत्यों के साथ मनाया जाता है।
  - अत: कथन 1 सही है।
- यह त्योहार सूर्य भगवान के सम्मान में मनाया जाता है और यह फसल कटाई के मौसम की समाप्ति का प्रतीक है।
  - अत: कथन 3 सही है।
- यह उत्सव सर्दियों की शुरुआत से पहले गारो जनजाति के लोगों द्वारा मैदानी क्षेत्रो में मेहनत करते हुए व्यतीत की गई लंबी अवधि के समापन को भी दर्शाता है।

33.

उत्तर: C

व्याख्या:

सूफीवाद:

- सूफीवाद इस्लाम का एक आध्यात्मिक रहस्यवाद है तथा यह एक धार्मिक संप्रदाय है जो ईश्वर की आध्यात्मिक खोज पर ध्यान केंद्रित करता है और भौतिकवाद को नकारता है।
- यह इस्लामी रहस्यवाद का एक रूप है जो तपस्या पर ज़ोर देता है। इसमें भगवान की भक्ति पर बहुत ज़ोर दिया गया है।
- सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को धारणा के माध्यम से ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिये एक आवश्यक शर्त माना जाता है।
- 12वीं ईस्वी की शुरुआत में फारस में कुछ धार्मिक लोग खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के कारण तपस्या की ओर मुड़ गए। उन्हें 'सूफी' कहा जाने लगा।

- भारत में सूफी आंदोलन 1300 ईस्वी में शुरू हुआ और 15वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में आया।
- सूफीवाद में आत्म-अनुशासन को ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिये एक आवश्यक शर्त माना जाता था। जबकि रूढ़िवादी मुसलमान बाहरी आचरण पर ज़ोर देते हैं, सूफी आंतरिक शुद्धता पर ज़ोर देते हैं।

प्रमुख सूफी सिलसिले:

- चिश्ती:
- चिश्तिया सिलसिला की स्थापना भारत में ख्वाज़ा मोइन-उद्दीन चिश्ती ने की थी।
- इसने ईश्वर के साथ एकात्मकता (वहदत अल-वुजुद) के सिद्धांत पर ज़ोर दिया और इस सिलसिले के सदस्य शांतिप्रिय थे।
- उन्होंने भगवान के नामों का ज़ोर से और चुपचाप पाठ (धिकर जाहरी, धिकर खफी), चिश्ती अभ्यास की आधारशिला का निर्माण किया।
- चिश्ती की शिक्षाओं को ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर, निजामुद्दीन औलिया और नसीरुद्दीन चरघ जैसे ख्वाजा मोइन-उद्दीन चिश्ती के शिष्यों द्वारा आगे बढ़ाया तथा लोकप्रिय बनाया गया। अत: कथन 1 सही है।
- सुहरावर्दी सिलसिला:
- इसकी स्थापना शेख शहाबुद्दीन सुहरावार्दी मकतूल द्वारा की गई थी।
- चिश्ती सिलसिले के विपरीत सुहरावर्दी सिलसिले को मानने वालों ने सुल्तानों/राज्य के संरक्षण/अनुदान को स्वीकार किया। अत: कथन 2 सही है।

34.

उत्तर : B

व्याख्या:

- बालीयात्रा एक सप्ताह तक चलती है जो कार्तिक पूर्णिमा (कार्तिक के महीने में पूर्णिमा की रात) से शुरू होती है।
- बालीयात्रा, शाब्दिक रूप से 'बाली की यात्रा' देश के सबसे बड़े ओपन-एयर फेयर में से एक है। अत: कथन 1 सही है।
- यह कटक में महानदी के तट पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह प्रतिवर्ष प्राचीन कलिंग (आज का ओडिशा), बाली तथा अन्य दक्षिणी और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रों जैसे जावा, सुमात्रा, बोर्नियो, बर्मा (म्याँमार) तथा सीलोन (श्रीलंका) के बीच 2,000 साल पुराने समुद्री एवं सांस्कृतिक संबंधों की स्मृति के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है।
  - इतिहासकारों के अनुसार, कलिंग और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच व्यापार की लोकप्रिय वस्तुओं में काली मिर्च, दालचीनी, इलायची, रेशम, कपूर, सोना और आभूषण शामिल थे।
  - बालीयात्रा उन विशेषज्ञ नाविकों की सरलता और कौशल का जश्न मनाती है जिन्होंने कलिंग को अपने समय के सबसे समृद्ध साम्राज्यों में से एक बनाया। अत: कथन 3 सही है।

35.

उत्तर: B

व्याख्या:

गुप्त काल के सिक्के:

- गुप्त सिक्का (चौथी-छठी शताब्दी ईस्वी) कुषाणों की परंपरा का पालन करते है, जिसमें राजा को अग्रभाग पर और एक देवता को पीछे की ओर दर्शाया गया है; देवता भारतीय थे, और किंवदंतियाँ ब्राह्मी लिपि में थीं।
- सातवाहन के सिक्कों में हाथी, शेर, बैल, घोड़े आदि जैसे जीवों के रूपांकन होते थे, जिन्हें अक्सर प्रकृति के रूपांकनों जैसे पहाड़ियों, पेड़ों आदि के साथ जोड़ा जाता था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- सातवाहनों के चांदी के सिक्कों में चित्र और द्विभाषी किंवदंतियाँ थीं, जो क्षत्रप प्रकारों से प्रेरित थीं।
- सबसे पुराने गुप्तकालीन सिक्के का श्रेय समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय और कुमारगुप्त को दिया जाता है तथा उनके सिक्के अक्सर राजवंशीय उत्तराधिकार महत्त्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक घटनाओं, जैसे- विवाह गठबंधन, घोड़े की बलि या शाही सदस्यों की कलात्मक और व्यक्तिगत उपलब्धियों (गीतकार,धनुर्धर, सिंह आदि) को दर्शाते हैं। अत: कथन 2 सही है।

36.

उत्तर: C

व्याख्या:

- लोथल, सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के सबसे दक्षिणी स्थलों में से एक था, जो अब गुजरात राज्य के भाल क्षेत्र में आता है।
- NMHC को भारत की विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने और लोथल को विश्व स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में उभरने में मदद करने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है। अत: कथन 1 सही है।
- लोथल प्राचीन काल में एक फलता-फूलता व्यापार केंद्र था, जहाँ से मोतियों, रत्नों और गहनों का व्यापार पश्चिम एशिया तथा अफ्रीका तक किया जाता था।
- इसमें चार थीम पार्क हैं- मेमोरियल थीम पार्क, मैरीटाइम एंड नेवी थीम पार्क, क्लाइमेट थीम पार्क और एडवेंचर एंड एम्यूज़मेंट थीम पार्क। अत: कथन 2 सही है।

37.

उत्तर: C

व्याख्या:

- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत वे प्रथाएँ, अभिव्यक्तियाँ, ज्ञान और कौशल हैं जिन्हें समुदाय, समूह तथा कभी-कभी व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक विरासत के हिस्से के रूप में पहचानते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- इसे जीवित सांस्कृतिक विरासत भी कहा जाता है, इसे आमतौर पर निम्नलिखित रूपों में से एक में व्यक्त किया जाता है:
- मौखिक परंपराएँ
- कला प्रदर्शन
- सामाजिक प्रथाएँ
- अनुष्ठान और उत्सव कार्यक्रम
- प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान एवं अभ्यास
- पारंपरिक शिल्प कौशल
- यूनेस्को ने भारत के विरासत वस्त्र शिल्प जारी किये:
- तमिलनाडु की टोडा कढ़ाई और सुंगुडी
- हैदराबाद की हिमरू बुनाई। अत: कथन 2 सही है।
- ओडिशा के संबलपुर की बंधा टाई और डाई बुनाई
- गोवा की कुनबी बुनाई
- गुजरात की मशरू बुनाई और पटोला
- महाराष्ट्र की हिमरू
- पश्चिम बंगाल की गरद-कोरियल

38.

उत्तर: D

व्याख्या:

- चोलों के शासन के दौरान पूरे दक्षिणी क्षेत्र को एक ही शासी बल के नियंत्रण में लाया गया था। चोलों ने निरंतर राजशाही में शासन किया।
  - विशाल राज्य को प्रांतों में विभाजित किया गया था जिन्हें मंडलम के रूप में जाना जाता था।
  - प्रत्येक मंडलम के लिये अलग-अलग गवर्नर को प्रभारी बनाया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- चोल मूर्तिकला का एक महत्त्वपूर्ण प्रदर्शन तांडव नृत्य मुद्रा में नटराज की मूर्ति है।
  - हालाँकि सबसे पहले ज्ञात नटराज की मूर्ति, जिसे ऐहोल में रावण फड़ी गुफा में खोदा गया है, प्रारंभिक चालुक्य शासन के दौरान बनाई गई थी, चोलों के शासन के दौरान मूर्तिकला अपने चरम पर पहुँच गई थी।
  - यह एक एकल छवि में शिव की भूमिका को ब्रह्मांड के निर्माता, संरक्षक और विध्वंसक के रूप में दर्शाता है और समय के कभी न खत्म होने वाले चक्र की भारतीय अवधारणा को बताता है। अत: कथन 2 सही है।
- 13वीं शताब्दी में चोल कला के बाद के चरण का चित्रण भूदेवी, या पृथ्वी की देवी को विष्णु की छोटी पत्नी के रूप में दर्शाने वाली मूर्ति द्वारा किया गया है। वह अपने दाहिने हाथ में एक लिली पकड़े हुए आधार पर एक सुंदर ढंग से मुड़ी हुई मुद्रा में खड़ी है, जबकि बायाँ हाथ भी उसी तरफ लटका हुआ है। अत: कथन 3 सही है।

39.

उत्तर: B

व्याख्या:

- गुप्त साम्राज्य 320 और 550 ईसवीं के बीच उत्तरी, मध्य और दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों में फैला हुआ था।
  - यह अवधि कला, वास्तुकला, विज्ञान, धर्म एवं दर्शन में अपनी उपलब्धियों के लिये जानी जाती है।
  - इसके परिणामस्वरूप समग्र समृद्धि एवं विकास की अवधि की शुरुआत हुई, जो आगामी ढाई शताब्दियों तक जारी रही जिसे भारत के इतिहास में एक स्वर्ण युग के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- गुप्त साम्राज्य की 'मार्शल' प्रणाली की दक्षता सर्वविदित थी। इसमें बड़े राज्य को छोटे प्रदेशों (प्रांतों) में विभाजित किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- सोने और चाँदी के सिक्के बड़ी संख्या में जारी किये गए जो अर्थव्यवस्था की उन्नति का संकेतक है।
  - व्यापार और वाणिज्य का देश के भीतर एवं बाहर दोनों जगह विकास हुआ। रेशम, कपास, मसाले, औषधि, अमूल्य रत्न, मोती, कीमती धातु व स्टील का निर्यात समुद्र द्वारा किया जात था। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- इस काल के दौरान विज्ञान, साहित्य और दर्शन में उन्नति हुई जैसे:
  - वराहमिहिर ने बृहतसंहिता लिखी और खगोल विज्ञान एवं ज्योतिष के क्षेत्र में भी योगदान दिया।
  - प्रतिभाशाली गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने सूर्य सिद्धांत लिखा जिसमें ज्यामिति, त्रिकोणमिति तथा ब्रह्मांड विज्ञान के कई पहलुओं को शामिल किया गया।
  - शंकु ने स्वयं को भूगोल के बारे में ग्रंथ लिखने के लिये समर्पित कर दिया। अत: कथन 4 सही है।

40.

उत्तर: C

व्याख्या:

- मोहनजोदड़ो का स्थल, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मृतकों का टीला' सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के महत्त्वपूर्ण स्थलों में से एक है।
- यह लगभग 3,300 ईसा पूर्व और 1,300 ईसा पूर्व के बीच सिंधु घाटी में विकसित हुआ, इसका 'परिपक्व' चरण 2,600 ईसा पूर्व से 1,900 ईसा पूर्व तक था।
- मोहनजोदड़ो की खुदाई वर्ष 1920 में शुरू हुई थी और वर्ष 1964-65 तक चरणों में जारी रही, अभी भी केवल एक छोटे से हिस्से की खुदाई की गई है।
- मोहनजोदड़ो की प्रागैतिहासिक प्राचीनता की खोज वर्ष 1922 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के रखाल दास बनर्जी ने की थी।
- अत: विकल्प C सही है।

41.

उत्तर- D

व्याख्या:

- जातक कथाएँ साहित्य की रचनाएँ हैं जो बुद्ध (प्रबुद्ध व्यक्ति) के पिछले अस्तित्व या जन्म का वर्णन करते हैं, जब वे मानव और गैर-मानव दोनों रूपों में बोधिसत्व (ऐसे प्राणी जो अभी तक ज्ञान या मोक्ष प्राप्त नहीं कर पाए हैं) के रूप में प्रकट हुए थे।
- साँची स्तूप अपने प्रवेश द्वारों के लिये उल्लेखनीय हैं क्योंकि इनमें बुद्ध के जीवन और बोधिसत्व के रूप में उनके पिछले अवतारों की घटनाओं का अलंकृत चित्रण है।
  - साँची स्तूप मध्य प्रदेश के साँची में स्थित है। यह मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाया गया था और माना जाता है कि इसमें बुद्ध की राख रखी गई थी।
  - महान वानर जातक और छह दाँतों वाला हाथी जातक साँची में जातक कथाओं की मूर्तिकला के कुछ बेहतरीन उदाहरण हैं। अत: विकल्प D सही है।

42.

उत्तर: A

व्याख्या:

ब्लू पैसिफिक में भागीदार:

- हाल ही में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों- ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, जापान तथा यूनाइटेड किंगडम ने ब्लू पैसिफिक क्षेत्र के छोटे द्वीप राष्ट्रों के साथ "प्रभावी एवं कुशल सहयोग" (Effective and Efficient Cooperation) के लिये 'पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक' (Partners in the Blue Pacific- PBP) नामक एक नई पहल शुरू की है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - PBP का उद्देश्य "जलवायु संकट, संपर्क और परिवहन, समुद्री सुरक्षा एवं सुरक्षा, स्वास्थ्य, समृद्धि तथा शिक्षा" के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है।
- PBP प्रशांत द्वीपों का समर्थन करने और क्षेत्र में राजनयिक, आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिये पाँच देशों का "अनौपचारिक तंत्र" है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह निकट सहयोग के माध्यम से प्रशांत क्षेत्र में "समृद्धि, लचीलापन और सुरक्षा" बढ़ाने पर केंद्रित है।
  - अर्थात् PBP के माध्यम से ये देश एक साथ और व्यक्तिगत रूप से चीन के आक्रामक आउटरीच को प्रतिसंतुलित करने के लिये प्रशांत द्वीप देशों को और अधिक संसाधन उपलब्ध कराएगे।
  - पूर्व के सदस्य "प्रशांत क्षेत्रवाद को बढ़ावा देगे" और प्रशांत द्वीप समूह फोरम (Pacific Islands Forum- PIF) के साथ मज़बूत संबंध कायम करेंगे।

43.

उत्तर: B

व्याख्या:

उनका जन्म सिद्धार्थ के रूप में लगभग 563 ईसा पूर्व में लुंबिनी में एक शाही परिवार में हुआ था, जो भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित है।
  - उनका परिवार शाक्य वंश से संबंधित था, जो कपिलवस्तु, लुंबिनी में शासन करता था।
- 29 वर्ष की आयु में गौतम ने गृह त्याग दिया और सांसारिक जीवन को त्याग कर तपस्या या अत्यधिक आत्म-अनुशासन की जीवनशैली को अपनाया।
- लगातार 49 दिनों के ध्यान के बाद गौतम ने बिहार के बोधगया में एक पीपल के पेड़ के नीचे बोधि (ज्ञान) प्राप्त किया। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- बुद्ध ने अपना पहला उपदेश उत्तर प्रदेश में वाराणसी के पास सारनाथ गाँव में दिया था। इस घटना को धर्म चक्र प्रवर्तन के रूप में जाना जाता है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
- उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में उनका निधन हो गया। इस घटना को महापरिनिर्वाण के नाम से जाना जाता है। अत: युग्म 4 सुमेलित नहीं है।
- उन्हें भगवान विष्णु (दशवतार) के दस अवतारों में से आठवाँ अवतार माना जाता है।
- यहाँ युग्म 2 और युग्म 3 सही सुमेलित हैं। अत: विकल्प B सही है।

44.

उत्तर: D

व्याख्या:

कोणार्क सूर्य मंदिर:

- कोणार्क सूर्य मंदिर पूर्वी ओडिशा के पवित्र शहर पुरी के पास स्थित है।
- इसका निर्माण राजा नरसिंहदेव प्रथम द्वारा 13वीं शताब्दी (1238-1264 ई.) में किया गया था। यह गंग वंश के वैभव, स्थापत्य, मज़बूती और स्थिरता के साथ-साथ ऐतिहासिक परिवेश का प्रतिनिधित्व करता है। पूर्वी गंग राजवंश को रूधि गंग या प्राच्य गंग के नाम से भी जाना जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- मंदिर को एक विशाल रथ के आकार में बनाया गया है। यह सूर्य भगवान को समर्पित है।
- कोणार्क मंदिर न केवल अपनी स्थापत्य की भव्यता के लिये बल्कि मूर्तिकला कार्य की गहनता और प्रवीणता के लिये भी जाना जाता है।
  - यह कलिंग वास्तुकला की उपलब्धि का सर्वोच्च बिंदु है जो अनुग्रह, खुशी और जीवन की लय को दर्शाता है।
- इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। अत: कथन 3 सही है।
- समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय में इसे 'ब्लैक पगोडा' कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि यह जहाज़ों को किनारे की ओर आकर्षित करता है और उनको नष्ट कर देता है।. अत: कथन 1 सही है।
  - कोणार्क 'सूर्य पंथ' के प्रसार के इतिहास की अमूल्य कड़ी है, जिसका उदय 8वीं शताब्दी के दौरान कश्मीर में हुआ और अंतत: पूर्वी भारत के तटों पर पहुँच गया।

45.

उत्तर: C

व्याख्या:

- थेय्यम केरल और कर्नाटक राज्य में नृत्य पूजा का एक लोकप्रिय अनुष्ठान है। अत: कथन 1 सही है।
- इसमें हज़ारों साल पुरानी परंपराएँ और रीति-रिवाज शामिल हैं।
- लोग थेय्यम को स्वयं को भगवान से जुड़ने के एक माध्यम के रूप में मानते हैं और इस प्रकार वे थेय्यम से आशीर्वाद मांगते हैं।
- प्रत्येक थेय्यम एक पुरुष या एक महिला है, जिसने वीर कर्म करके या पुण्य जीवन व्यतीत करके दैवीय स्थिति प्राप्त की है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- अधिकांश थेय्यम को शिव या शक्ति (शिव की पत्नी) का अवतार माना जाता है या हिंदू धर्म के इन प्रमुख देवताओं के साथ उनके मज़बूत संबंध हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- 400 से अधिक थेय्यम के कारक मौजूद हैं। इनमें से कुछ बहुत महत्त्वपूर्ण हैं।

46.

उत्तर: B

व्याख्या

- स्वदेश दर्शन योजना: इसके तहत पर्यटन मंत्रालय 13 चिह्नित थीम आधारित सर्किट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन को केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA) प्रदान करता है। अत: कथन 1 सही है।
- तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्द्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन:
  - पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में चिह्नित तीर्थस्थलों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रसाद योजना शुरू की गई थी। अत: कथन 2 सही है।
- पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) वर्ष 2004 से द्विवार्षिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।
  - पूर्ववर्ती अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन नई दिल्ली और बोधगया (फरवरी 2004), नालंदा तथा बोधगया (फरवरी 2010), वाराणसी एवं बोधगया (2012 व 2014), सारनाथ/वाराणसी और बोधगया (अक्तूबर 2016), नई दिल्ली (2018) में आयोजित किये गए थे। अत: कथन 3 सही नहीं है।

47.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत के संविधान का पहली बार ओल चिकी लिपि (Ol Chiki Script) में अनुवाद किया गया है।
- ओल चिकी लिपि (Ol Chiki Script) जिसे ओल चेमेट (Ol Chemet), ओल सिकी (Ol Ciki), ओल (Ol) और कभी-कभी संथाली वर्णमाला के रूप में भी जाना जाता है, संथाली के लिये आधिकारिक लेखन प्रणाली तथा भारत में एक आधिकारिक क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त ऑस्ट्रोएशियाटिक भाषा है।
- वर्ष 2003 में 92वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संथाली को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी और मैथिली भाषाओं के साथ भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- अत: विकल्प B सही है।

48.

उत्तर: D

व्याख्या

- भू-विरासत का तात्पर्य ऐसी भूवैज्ञानिक मुखाकृतियों या स्थानों से है, जो स्वाभाविक रूप से या सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं और पृथ्वी के विकास या पृथ्वी विज्ञान के इतिहास के लिये अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं अथवा इनका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है। अत: कथन 1 सही है।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) वह मूल निकाय है, जो देश में भू-विरासत स्थलों/राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारकों की पहचान और संरक्षण की दिशा में प्रयास कर रहा है। अत: कथन 2 सही है।
- हाल ही में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र में दो भूवैज्ञानिक विरासत स्थलों की पहचान की है।
- इसके तहत शिवालिक जीवाश्म उद्यान (हिमाचल प्रदेश) और स्ट्रोमेटोलाइट बेयरिंग डोलोमाइट/बक्सा फॉर्मेशन के चूना पत्थर (सिक्किम) की पहचान की गई है। अत: कथन 3 सही है।

49.

उत्तर: A

व्याख्या:

- लिंगायत शब्द एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है, जो एक विशिष्ट दीक्षा समारोह के दौरान प्राप्त 'लिंग' (भगवान शिव का एक प्रतिष्ठित रूप) को अपने शरीर पर धारण करता है।
- लिंगायत 12वीं सदी के समाज सुधारक-दार्शनिक कवि बसवेश्वर के अनुयायी हैं। अत: कथन 1 सही है।
- बसवेश्वर जाति व्यवस्था एवं वैदिक रीति-रिवाज़ों के खिलाफ थे।
- लिंगायत सख्त एकेश्वरवादी हैं। वे केवल एक भगवान, लिंग (शिव) की पूजा का आदेश देते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- 'लिंग' शब्द का अर्थ मंदिरों में स्थापित लिंग नहीं है, बल्कि सार्वभौमिक ऊर्जा (शक्ति) द्वारा योग्य सार्वभौमिक चेतना है।
- लिंगायतों को "वीरशैव लिंगायत" नामक एक हिंदू उपजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उन्हें शैव माना जाता है।

50.

उत्तर: A

व्याख्या:

- भगवान महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व में 'वज्जि साम्राज्य' में कुंडग्राम के राजा सिद्धार्थ और लिच्छवी राजकुमारी त्रिशला के यहाँ हुआ था। वज्जि संघ आधुनिक बिहार में वैशाली क्षेत्र के अंतर्गत आता है। अत: कथन 1 सही है।
- भगवान महावीर 'इक्ष्वाकु वंश' (Ikshvaku dynasty) से संबंधित थे। अत: कथन 2 सही है।
- ऐसे कई इतिहासकार हैं जो मानते हैं कि उनका जन्म अहल्या भूमि नामक स्थान पर हुआ था।
- बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था यानी 'जो बढ़ता है'।
- उन्होंने 30 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन को त्याग दिया और 42 वर्ष की आयु में उन्हें 'कैवल्य' यानी सर्वज्ञान की प्राप्ति हुई।
- महावीर ने अपने शिष्यों को अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (शुद्धता) तथा अपरिग्रह (अनासक्ति) का पालन करने की शिक्षा दी और उनकी शिक्षाओं को 'जैन आगम' (Jain Agamas) कहा गया।
- प्राकृत भाषा के प्रयोग के कारण प्राय: आम जनमानस भी महावीर और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं एवं उपदेशों को समझने में समर्थ थे। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- महावीर को बिहार में आधुनिक राजगीर के पास पावापुरी नामक स्थान पर 468 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में निर्वाण (जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति) प्राप्त हुआ।

51.

उत्तर: C

व्याख्या:

नववर्ष के पारंपरिक त्योहार:

- विशु:
  - यह एक हिंदू त्योहार है जो भारत के केरल राज्य, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी का माहे ज़िला, तमिलनाडु के पड़ोसी क्षेत्र और उनके प्रवासी समुदाय द्वारा मनाया जाता है। अत: युग्म 1 सुमेलित नहीं है।
  - यह त्योहार केरल में सौर कैलेंडर के नौवें महीने, मेदाम के पहले दिन को चिह्नित करता है।
  - ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, यह हर वर्ष अप्रैल के मध्य यानी 14 या 15 अप्रैल को मनाया जाता है।
  - इसे पुथुवरुडम या तमिल नववर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह तमिल कैलेंडर में वर्ष का पहला दिन है और एक पारंपरिक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।
  - इस त्योहार की तारीख तमिल महीने चिथिरई के पहले दिन के रूप में हिंदू कैलेंडर के सौर चक्र के साथ निर्धारित की जाती है।
  - इसलिये यह ग्रेगोरियन कैलेंडर में हर वर्ष 14 अप्रैल को आता है।

- बोहाग बिहू:
  - बोहाग बिहू या रोंगाली बिहू, जिसे हतबिहु (सात बिहू) भी कहा जाता है, असम के उत्तर-पूर्वी भारत और अन्य भागों में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक आदिवासी जातीय त्योहार है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
  - यह असमिया नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।
  - यह आमतौर पर अप्रैल के दूसरे सप्ताह में आता है, ऐतिहासिक रूप से यह फसल के समय को दर्शाता है। अत: विकल्प C सही है।

52.

उत्तर: A

व्याख्या:

- विश्व धरोहर/विरासत स्थल का आशय एक ऐसे स्थान से है, जिसे यूनेस्को द्वारा उसके विशिष्ट सांस्कृतिक अथवा भौतिक महत्त्व के कारण सूचीबद्ध किया गया है।
  - विश्व धरोहर स्थलों की सूची को 'विश्व धरोहर कार्यक्रम' द्वारा तैयार किया जाता है, यूनेस्को की 'विश्व धरोहर समिति' द्वारा इस कार्यक्रम को प्रशासित किया जाता है।
  - यह सूची यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई 'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है। अत: कथन 1 सही है।
- भारत में कुल 3691 स्मारक और स्थल हैं। इनमें से 40 यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित हैं।
- जिसमें ताजमहल, अजंता की गुफाएँ और एलोरा की गुफाएँ शामिल हैं। विश्व धरोहर स्थलों में असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्राकृतिक स्थल भी शामिल हैं।
  - गुजरात के हड़प्पाकालीन शहर धौलावीरा को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया गया है।
  - रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) भारत का 39वाँ विश्व धरोहर स्थल था।
  - सिक्किम का कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान "मिश्रित विश्व विरासत स्थल" के रूप में नामित भारत का पहला और एकमात्र स्थल है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

53.

उत्तर: A

व्याख्या:

हुनर हाट:

- परिचय:
  - वर्तमान वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा में हुनर हाट की अवधारणा देश की कला और शिल्प की पुश्तैनी विरासत की रक्षा एवं उसे बढ़ावा देने, पारंपरिक कारीगरों तथा शिल्पकारों का समर्थन करने के लिये प्रस्तुत की गई है। अत: कथन 1 सही है।
  - हुनर हाट प्रदर्शनी में वे चुने गए कारीगर शामिल होते हैं जिनके पूर्वज इस तरह के पारंपरिक हस्तनिर्मित कार्यों में शामिल थे और अभी भी इस पेशे में संलग्न हैं।
- थीम:
  - "वोकल फॉर लोकल" (Vocal for Local) और "बेस्ट फ्रॉम वेस्ट"(Best from Waste)। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- उद्देश्य:
  - कारीगरों, शिल्पकारों और पारंपरिक पाकशाला विशेषज्ञों को बाज़ार तक पहुँच प्रदान करने तथा रोज़गार के अवसर प्रदान करना।
  - उन शिल्पकारों, बुनकरों और कारीगरों के कौशल को बढ़ावा देना जो पहले से ही पारंपरिक पुश्तैनी कार्यों में संलग्न हैं।

54.

उत्तर: C

व्याख्या:

फिरोज शाह तुगलक:

- इसका जन्म 1309 ईस्वी में हुआ था और अपने चचेरे भाई मुहम्मद-बिन-तुगलक के निधन के बाद यह दिल्ली की गद्दी पर बैठा था।
- यह तुगलक वंश का तीसरा शासक था जिसने 1320 ईस्वी से 1412 ईस्वी तक दिल्ली पर शासन किया था। मुहम्मद-बिन-तुगलक 1351ईस्वी से 1388 ईस्वी तक सत्ता में रहा। अत: कथन 1 सही है।
- इसने ही जजिया कर लगाने की शुरुआत की थी। अत: कथन 2 सही है।
  - जजिया' या 'जीज्या' का तात्पर्य राज्य के सार्वजनिक व्यय हेतु निधि प्रदान करने के लिये इस्लामी कानून द्वारा शासित राज्य के स्थायी गैर-मुस्लिम विषयों पर वित्तीय प्रभार के रूप में प्रति व्यक्ति वार्षिक कराधान से है।
- इसने सशस्त्र बलों में उत्तराधिकार के सिद्धांत को लागू किया जहाँ अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के बाद अपने बच्चों को उस स्थान पर सेना में भेजने की अनुमति थी। हालाँकि उन्हें भुगतान, वास्तविक मुद्रा की बजाय ज़मीन के रूप में किया जाता था।
- अंग्रेज़ों द्वारा उसे 'सिंचाई विभाग का जनक' कहकर संबोधित किया गया क्योंकि उसने कई बगीचे और नहरों का निर्माण करवाया था।

55.

उत्तर: D

व्याख्या:

संग्रहालय अनुदान योजना:

- संस्कृति मंत्रालय नए संग्रहालयों की स्थापना के लिये राज्य सरकारों और सोसायटी अधिनियम,1860 के अंतर्गत पंजीकृत समितियों, स्वायत्त निकायों, स्थानीय निकायों तथा ट्रस्ट्स को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अत: कथन 1 सही है।
  - इसका उद्देश्य क्षेत्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करना है।
  - इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक वर्ष राज्य की राजधानी में कम-से-कम एक केंद्रीय/राज्य संग्रहालय विकसित करना है। अत: कथन 2 सही है।
- मुख्य घटक:
  - ज़िला और क्षेत्रीय संग्रहालयों की स्थापना एवं विकास:
- इस घटक के तहत संग्रहालयों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:
- श्रेणी-I: सरकार के स्वामित्व वाले राज्य स्तरीय संग्रहालय और उत्कृष्ट संग्रह के साथ प्रसिद्ध संग्रहालय।
- श्रेणी- II: अन्य सभी संग्रहालय।
- इस घटक के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता की अधिकतम राशि 10 करोड़ रुपए है। अत: कथन 3 सही है।
  - राज्यों की राजधानियों में संग्रहालयों का विकास:
- इस घटक के तहत राजधानी शहरों में स्थित केंद्र या राज्य सरकार के मौजूदा प्रसिद्ध संग्रहालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- इस घटक के तहत प्रति संग्रहालय अधिकतम 15 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है।
  - सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के अंतर्गत बड़े पैमाने पर संग्रहालयों की स्थापना और विकास:
- इस घटक के तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड में राज्य सरकारों और नागरिक समाज के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में बड़े पैमाने पर संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव है।
- इस घटक के तहत प्रदान की जाने वाली अधिकतम वित्तीय सहायता परियोजना लागत का 40% है जो अधिकतम 20 करोड़ रुपए प्रति संग्रहालय होगी। अत: विकल्प D सही है।

56.

उत्तर: A

व्याख्या:

- ये 12वीं सदी के कवि और दार्शनिक थे जिन्हें लिंगायत समुदाय में विशेष महत्त्व एवं सम्मान प्राप्त है, क्योंकि वे लिंगायतवाद के संस्थापक थे।
- लिंगायत शब्द का आशय एक ऐसे व्यक्ति से है जो दीक्षा समारोह के दौरान प्राप्त लिंग को शरीर पर व्यक्तिगत रूप से धारण करता है जिसे भगवान शिव के एक प्रतिष्ठित रूप मानते हुए धारण किया जाता है।
  - कल्याण में कलचुर्य राजा बिज्जल (1157-1167 ई.) ने अपने दरबार में बसवेश्वर को प्रारंभिक चरण में एक कर्णिका (लेखाकार) के रूप में और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया।
- मुख्य शिक्षाएँ: उनका आध्यात्मिक अनुशासन अरिवु (सच्चा ज्ञान), आचार (सही आचरण) और अनुभव (दिव्य अनुभव) के सिद्धांतों पर आधारित था जिसने 12वीं शताब्दी में एक सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक क्रांति को जन्म दिया।
  - यह मार्ग लिंगनगयोग (ईश्वर के साथ मिलन) के लिये एक समग्र दृष्टिकोण की वकालत करता है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह व्यापक अनुशासन भक्ति, ज्ञान, और क्रिया को अच्छी तरह व संतुलित तरीके से शामिल करता है।
- सामाजिक-आर्थिक सिद्धांत: बसवेश्वर ने दो बहुत महत्त्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक सिद्धांत दिये।
  - कायाक (ईश्वरीय कार्य):
- इसके अनुसार समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद के कार्य को पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिये।
  - दसोहा (समान वितरण):
- समान काम के लिये समान आय होनी चाहिये। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- कार्यकर्त्ता (कायाकजीवी) अपनी मेहनत की कमाई से अपना दैनिक जीवन व्यतीत कर सकता है लेकिन उसे धन या संपत्ति को भविष्य के लिये सुरक्षित नहीं रखना चाहिये और अधिशेष धन का उपयोग समाज एवं गरीबों के हित में करना चाहिये।

57.

उत्तर: A

व्याख्या:

- राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। अत: कथन 1 सही है।

- भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के अन्य बड़े स्थल पाकिस्तान में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और गनवेरीवाल तथा भारत में धोलावीरा (गुजरात) हैं।

- राखीगढ़ी में इस सभ्यता की शुरुआत का पता लगाने और 6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूर्व तक इसके क्रमिक विकास का अध्ययन करने के लिये खुदाई की जा रही है।
  - इस स्थल का उत्खनन कार्य ASI के अमरेंद्र नाथ के नेतृत्व में किया गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- हाल ही में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा हड़प्पा सभ्यता के राखीगढ़ी स्थल की खुदाई में कुछ घरों, गलियों और जल निकासी व्यवस्था की संरचना का पता चला है।
  - ASI की खुदाई में तांबे और सोने के आभूषण, टेराकोटा के खिलौनों के अलावा हज़ारों मिट्टी के बर्तन और मुहरें भी मिली हैं।
  - इसके अलावा उत्खनन में मिले दो मानव कंकालों के डीएनए नमूने एकत्र कर उन्हें वैज्ञानिक जाँच के लिये भेजा गया है, इन डीएनए नमूनों की जाँच रिपोर्ट के आधार पर हज़ारों साल पहले राखीगढ़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की वंश परंपरा और भोजन की आदतों के बारे में पता लगाया जा सकता है।

58.

उत्तर: B

व्याख्या:

बौद्ध धर्म ग्रंथ (टिपिटक):

- विनय पिटक (भिक्षुक जीवन पर लागू नियम)। अत: युग्म 1 सुमेलित नहीं है।
- सुत्त पिटक (बुद्ध की मुख्य शिक्षा या धम्म)। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- अभिधम्म पिटक (एक दार्शनिक विश्लेषण और शिक्षण का व्यवस्थापन)। अत: युग्म 3 सुमेलित नहीं है
- अत: विकल्प B सही है।

59.

उत्तर: A

व्याख्या:

- कन्हेरी गुफाएँ मुंबई के पश्चिमी बाहरी इलाके में स्थित गुफाओं और रॉक-कट स्मारकों का एक समूह है। ये गुफाएँ संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों के भीतर स्थित हैं। अत: कथन 1 सही है।
- कन्हेरी नाम प्राकृत में 'कान्हागिरि' से लिया गया है और इसका वर्णन सातवाहन शासक वशिष्ठपुत्र पुलुमावी के नासिक शिलालेख में मिलता है।
- विदेशी यात्रियों के यात्रा वृतांतों में कन्हेरी का उल्लेख मिलता है।
- कन्हेरी का सबसे पहला वर्णन फाहियान द्वारा किया गया है, जो 399-411 ईस्वी के दौरान भारत आया और बाद में कई अन्य यात्रियों ने भी इसका वर्णन किया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- कन्हेरी गुफाओं में 110 से अधिक विभिन्न एकाश्म चट्टानों का उत्खनन शामिल है और यह देश में सबसे बड़े एकल उत्खनन में से एक है।
- ये उत्खनन मुख्य रूप से बौद्ध धर्म के हीनयान चरण के दौरान किये गए थे लेकिन इसमें महायान शैलीगत वास्तुकला के कई उदाहरणों के साथ वज्रयान से संबंधित आदेश के कुछ मुद्रण भी शामिल हैं। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- यह कन्हेरी सातवाहन, त्रिकुटक, वाकाटक और सिलहारा के संरक्षण के साथ ही इस क्षेत्र के धनी व्यापारियों द्वारा किये गए दान के माध्यम से फला-फूला।

60.

उत्तर: C

व्याख्या:

- बौद्ध धर्म का यह संप्रदाय बुद्ध को देवता के रूप में मानता है तथा मूर्ति पूजा में विश्वास करता है।
- इसका उद्भव उत्तरी भारत और कश्मीर में हुआ तथा वहाँ से मध्य एशिया, पूर्वी एशिया एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ क्षेत्रों में फैल गया। अत: कथन 1 सही है।
- महायान मंत्रों में विश्वास करता है।
- इसके मुख्य सिद्धांत सभी प्राणियों के लिये दुख से सार्वभौमिक मुक्ति की संभावना पर आधारित थे। इसलिये इस संप्रदाय को महायान (महान वाहन) कहा जाता है।
  - इसके सिद्धांत भी बुद्ध एवं बोधिसत्त्वों की 'प्रकृति के अवतार' के अस्तित्व पर आधारित हैं। यह बुद्ध में विश्वास रखने और स्वयं को उनके प्रति समर्पित करने के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति की बात करता है। अत: कथन 3 सही है।
- हीनयान बौद्ध धर्म बुद्ध की मूल शिक्षा में विश्वास करता है।
  - यह मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करता है और आत्म-अनुशासन और ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत मोक्ष प्राप्त करने का प्रयास करता है।
  - थेरवाद हीनयान संप्रदाय का एक हिस्सा है। अत: कथन 2 सही नहीं है। अत: विकल्प C सही है।

61.

उत्तर : B

व्याख्या:

- सरकार ने केंद्रीय पुरातत्त्व सलाहकार बोर्ड (CABA) का पुनर्गठन किया है।

- इसका गठन भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) एवं पुरातात्त्विक अनुसंधान के क्षेत्र में संपर्कों को मज़बूत करने के लिये किया गया है।
- बोर्ड में "भारत सरकार द्वारा नामित पाँच व्यक्ति" और साथ ही पूर्व ASI महानिदेशक शामिल होंगे। अत: कथन 1 सही है।
- बोर्ड वर्ष में एक बार बैठक करेगा तथा सदस्यों द्वारा उल्लेखित "पुरातत्त्व से संबंधित मामलों" पर केंद्र को सलाह देगा।
- यह पुरातत्त्व अनुसंधान का संचालन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों एवं भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के बीच संपर्क को बढ़ावा देगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह पुरातात्त्विक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को बढ़ावा देगा, भविष्य के पुरातत्त्वविदों को प्रशिक्षित करेगा और ASI की गतिविधियों के माध्यम से भारत तथा इसकी राज्य सरकारों की दक्ष सोसाइटियों के बीच संबधों में निकटता लाएगा।

62.

उत्तर: C

व्याख्या:

हड़प्पा सभ्यता:

- इसे सिंधु घाटी सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
- यह सभ्यता लगभग 2500 ईस्वी पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग (समकालीन पकिस्तान तथा पश्चिमी भारत) में विकसित हुई। अत: कथन 1 सही है।
- सिंधु घाटी सभ्यता मिस्र, मेसोपोटामिया,भारत और चीन की चार सबसे बड़ी प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक थी।
- वर्ष 1920 में भारतीय पुरातत्त्व विभाग द्वारा किये गए सिंधु घाटी के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों से हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ों जैसे दो प्राचीन नगरों की खोज हुई। अत: कथन 2 सही है।

63.

उत्तर: A

व्याख्या:

अनुभव मंडप:

- बसवेश्वर ने अनुभव मंडप की स्थापना की, जो व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ धार्मिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों सहित सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्तर की समस्याओं पर चर्चा करने हेतु सभी के लिये एक सामान्य मंच था। अत: कथन 1 सही है।
  - इस प्रकार यह भारत की पहली और सबसे महत्त्वपूर्ण संसद थी, जहाँ शरणों (कल्याणकारी समाज के नागरिक) के साथ एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के समाजवादी सिद्धांतों पर चर्चा की गई।
- शरणों की वे सभी चर्चाएँ वचनों के रूप में लिखी गई थीं।
  - वचन सरल कन्नड़ भाषा में लिखे गए एक अभिनव साहित्यिक रूप थे। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और 'कल्याणकारी राज्य' (कल्याण राज्य) की स्थापना के कार्य ने वर्ग, जाति, पंथ एवं लिंग के बावजूद समाज के सभी नागरिकों को एक नई स्थिति और परिस्थिति प्रदान की।